कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, उद्यमियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का 10वाँ शुक्रवार, जिला अधिकारियों की टीम के साथ तामिया पहुंचे कलेक्टर, विभिन्न शासकीय संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जनसंवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान और लोकसेवाओं की सुगमता के उद्देश्य से चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार 16 अक्टूबर को कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन, पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडे, सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की टीम के साथ छिंदवाड़ा जिले की जनपद पंचायत तामिया पहुंचे।

इस दौरान सबसे पहले उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया और संचालन की व्यवस्थाएं देखीं। जिसके बाद सभी अधिकारी सामुदायिक भवन तामिया में आयोजित खंड स्तरीय जनसमस्या निवारण एवं जनसंवाद शिवर में पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान क्षेत्र के उद्यमियों से भी संवाद किया। मौके पर स्वामित्व योजना के तहत तहसील तामिया के 7 हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उनकी संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज भी सौंपे गए।



पाण्डुपिपरिया डबल लॉक केंद्र का निरीक्षण

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत पाण्डुपिपरिया स्थित डबल लॉक खाद वितरण केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री नारायन ने खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था एवं किसानों को खाद वितरण की प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को खाद वितरण व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। उपस्थित कृषकों से चर्चा के दौरान खाद ई टोकन बुकिंग के लिए ऑनलाइन सेंटर्स द्वारा 50 रुपये लेने की जानकारी सामने आने पर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित राशि 15 रूपये से अधिक जो भी राशि ले रहे हैं, ऐसे ऑनलाइन सेंटर्स पर कार्यवाही करें। साथ ही कृषि विभाग के अमले को गांव - गांव शिविर लगाकर किसानों को मोबाइल से ई टोकन बुक करने की ट्रेनिंग देने के निर्देश दिए। साथ ही कृषकों को खेत की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और रसायनों के दुष्प्रभावों से बचाये रखने के लिए कृषि वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार संतुलित मात्रा में ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करने की समझाइश दी।



नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास का निरीक्षण

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास तामिया के निरीक्षण में छात्राओं के शयन कक्ष की व्यवस्थाओं के अवलोकन के दौरान समुचित वेंटिलेशन न होने और सीलन पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। आवश्यक मरम्मत कार्य के लिए बजट आवंटन हेतु शासन स्तर से समुचित समन्वय न बनाने और छात्राओं को दी जा रही सुविधाओं में लापरवाही पाए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी पर कड़ी नाराजगी जताई और कार्यवाही प्रस्तावित करने की चेतावनी दी। हॉस्टल में साफ सफाई, स्वच्छता, पानी की व्यवस्था, रसोई घर आदि की व्यवस्थाएं उचित नहीं पायी गई, जिस पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए हॉस्टल अधीक्षिका कौशल्या नागेश्वर एवं एपीसी अनुराधा श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

वीरांगना रानी दुर्गावती नवीन आदिवासी कन्या आश्रम का निरीक्षण

कलेक्टर ने वीरांगना रानी दुर्गावती आदिवासी कन्या आश्रम (अंग्रेजी माध्यम) तामिया का भी औचक निरीक्षण किया। रसोई कक्ष, सफाई, शयन कक्ष आदि की व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गयी। शौचालयों में टैप वॉटर उपलब्धता न होने पर नाराजगी जताई और पानी की टंकी तक पाइप लाइन मरम्मत कार्य शीघ्र कराते हुए रनिंग वॉटर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद भी किया और सवाल-जवाब कर उनकी भाषा और विषय ज्ञान का आंकलन किया। छात्राओं का भाषाज्ञान संतोषजनक पाया गया, किंतु सामान्य ज्ञान संतोषजनक नहीं पाए जाने पर प्रतिदिन अखबार पढ़ने की आदत विकसित करने और अध्यापन के माध्यम से छात्राओं का सामान्य ज्ञान बढ़ाने के निर्देश दिए ।



सांदीपनि विद्यालय तामिया का जायजा

कलेक्टर ने शासकीय संदीपनी विद्यालय तामिया के निरीक्षण के दौरान फर्श पर गंदगी पाए जाने और पूरे परिसर में समुचित स्वच्छता का अभाव पाए जाने पर प्रभारी बीईओ एवं प्राचार्य श्री बलवंत सानेर पर बेहद नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय चमकते दिखने चाहिए। उन्होंने तत्काल पूरे विद्यालय की सफाई करवाने और फोटो, वीडियो बनाकर भेजने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि प्रतिदिन पूरे परिसर की नियमित रूप से साफ - सफाई सुनिश्चित होनी चाहिए, भविष्य में ऐसी गंदगी दोबारा न दिखे। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को भी प्रति सप्ताह कम से कम 2 सांदीपनी स्कूलों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण कर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्र भी देखा

कलेक्टर ने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र थाना मोहल्ला तामिया के निरीक्षण के दौरान बच्चों से सहज संवाद किया और रुचिकर प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर बच्चों ने भी निर्भीक होकर दिए। बच्चों ने कलेक्टर को एबीसीडी, पहाड़ा और हिंदी, अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कविता सुनाई। संवाद के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से पूछा कि बड़े होकर क्या बनना चाहते हो, तो किसी ने डॉक्टर, किसी ने पुलिस, किसी ने फाइटरमैन, किसी ने सुपर स्टार बनने की इच्छा जताई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पोषण पुनर्वास केंद्र तामिया का निरीक्षण

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तामिया के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विशेषरूप से दवाइयों की उपलब्धता और डाक्टर्स की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त की, इस संबंध में उन्होंने जनपद अध्यक्ष श्रीमती तुलसा परतेती से भी फीडबैक लिया। स्वास्थ्य केंद्र की बाहरी दीवार पर गंदगी पाए जाने पर नाराजगी जताई और समुचित स्वच्छता एवं हाइजीन मेंटेन रखने के निर्देश बीएमओ को दिए। इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर पर संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान भर्ती बच्चों की माताओं से संवाद कर उन्हें बच्चों को केंद्र से ले जाने के बाद भी मच्छरों से बचाने और उनके खान - पान के दौरान समुचित स्वच्छता रखने की समझाइश दी। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों की अधिकांश बीमारियां अस्वच्छता और संक्रमण से जुड़ी होती हैं, इनसे बचाव करेंगे तो बच्चे हमेश स्वस्थ रहेंगे।

बढ़ती चोरियों पर लगाम कसने पुलिस का साथ देंगे रक्षा समिति के 114 सदस्य

पांढुर्णा। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में दिन-ब-दिन बढ़ती चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से पुलिस ने नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों के साथ हाथ मिलाया है। इसी कड़ी में 16 अक्टूबर को एसडीओपी बृजेश भार्गव और थाना प्रभारी अमित ढाणी ने रक्षा समिति के सदस्यों के साथ दोपहर में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब पुलिस के साथ ग्राम व नगर रक्षा समिति के सदस्य कंधे से कंधा मिलाकर गश्त करेंगे, जिससे पुलिस का निगरानी तंत्र और अधिक मजबूत हो सकेगा। सुरक्षा व्यवस्था को विस्तार देने के लिए बनाई गई इस समिति में कुल 114 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिनमें शहर के 24 और ग्रामीण क्षेत्रों के 90 सदस्य शामिल हैं। सदस्यों की अधिकृत पहचान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा उन्हें विशेष परिचय पत्र जारी किए जाएंगे। बैठक के दौरान युवाओं और सदस्यों को उनके कार्यक्षेत्र तथा जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समिति के सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों, खासकर सुनसान व संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। जिन क्षेत्रों में पुलिस की लगातार मौजूदगी चुनौतीपूर्ण होती है, वहां ये सदस्य सूचना तंत्र के रूप में काम करेंगे। समय पर सटीक सूचना मिलने से पुलिस को संदिग्ध परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गश्त का दायरा बढ़ाना और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से अपराधों पर पूरी तरह से नियंत्रण पाना है।

कन्हरगांव डेम में महज 5% पानी, गर्मी में गहराएगा जल संकट!

पार्षद संदीप सिंह चौहान ने उठाई जलकर कम करने की मांग, 30 अक्टूबर तक समाधान नहीं तो जनता के साथ आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

शहर में संभावित जल संकट को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने पानी की बर्बादी रोकने के लिए सख्ती करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को नगर निगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में सामने आया कि कम बारिश के कारण शहर का मुख्य जल स्रोत कन्हारगांव डेम महज 5 प्रतिशत ही भर पाया है, जबकि माचागोरा डेम भी अपनी कुल क्षमता का लगभग आधा ही भरा है।

ऐसे में आगामी गर्मी में पेयजल की उपलब्धता बनाए रखना निगम प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। बैठक में वार्ड क्रमांक 42 के पार्षद संदीप सिंह चौहान ने जल संकट के बीच आम जनता को राहत देने के लिए जलकर कम करने और गुलाबरा क्षेत्र की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई।

पानी की बर्बादी पर जुर्माना, कनेक्शन भी कटेगा

जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर में 'रोको-टोको अभियान' चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत पानी बर्बाद करते पाए जाने पर पहली बार एक हजार और दूसरी बार दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद भी जल अपव्यय जारी रहने पर नल कनेक्शन काटने तथा दोबारा जोड़ने के लिए 10 हजार रुपये शुल्क लेने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

बैठक में निर्माण कार्यों के लिए निगम के टैंकरों से पानी उपलब्ध नहीं कराने, मेन सप्लाई लाइन से जुड़े सीधे कनेक्शनों को डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में स्थानांतरित करने तथा पानी की टंकियों पर लेवल इंडिकेटर लगाने जैसे निर्णय भी लिए गए। सार्वजनिक नलों से होने वाली पानी की बर्बादी रोकने और

29 जून को उठाई थी मांग, अब तक नहीं हुआ समाधान

वार्ड 42 के पार्षद संदीप सिंह चौहान ने बैठक में कहा कि उन्होंने 29 जून को ही गुलाबरा क्षेत्र सहित छिंदवाड़ा नगर के विभिन्न हिस्सों को माचागोरा डेम से जोड़ने की मांग उठाई थी। इसके साथ ही कन्हान कॉम्प्लेक्स और नर्मदा नदी से छिंदवाड़ा को जोड़ने की योजना पर विचार करने तथा गुलाबरा क्षेत्र में बोरिंग और हैंडपंप लगवाने की मांग भी की गई थी। इसके बावजूद अब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है।पार्षद ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि नगर निगम के अधिकारी समय पर फोन तक नहीं उठाते और न ही वापस फोन करने की जहमत उठाते हैं। ऐसे में जनता अपनी पेयजल समस्या लेकर आखिर किसके पास जाए?

यातायात सुधार के लिए सड़कों पर उतरीं नवागत एसपी विदिता डागर, दिए कड़े निर्देश

पांढुर्णा । नगर की यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए नवागत जिला पुलिस अधीक्षक विदिता डागर ने स्वयं सडक पर उतरकर फिल्ड के अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। एसपी ने नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का मुआयना कर स्थिति का जायजा लिया और उपस्थित अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को यातायात सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि हाल ही में जिला प्रेस क्लब के पत्रकारों के साथ परिचयात्मक भेंट के दौरान पत्रकारों ने नगर की चरमराती यातायात व्यवस्था, वाहन चालकों व राहगीरों को होने वाली समस्याओं की ओर एसपी का ध्यान आकर्षित कराया था। इस पर एसपी महोदया ने प्राथमिकता के आधार पर यातायात व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया था। पुलिस अधीक्षक ने नगर के तीन शेर चौक, अंबिका चौक, समता कॉलेज और बस स्टैंड चौक पहुंचकर निरीक्षण किया। यातायात में बाधा बनने वाले अस्थाई ठेलों व दुकानों को नगर पालिका के अतिक्रमण रोधी दस्ते के सहयोग से तुरंत हटाया जाए। नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने वालों, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। स्कूल वाहन, बस और ऑटो-रिक्शा की समय-समय पर चेकिंग की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई की जाए। नरीक्षण के दौरान एसपी के साथ एसडीओपी ब्रजेश भार्गव, यातायात प्रभारी निरीक्षक स्नेहा घोरमारे सहित अन्य पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अमित सक्सेना ने छोड़ी भाजपा की प्राथमिक सदस्यता, छिंदवाड़ा की सियासत में हलचल!

किसानों के हक की लड़ाई लड़ने का ऐलान, बोले- न सत्ता का लालच, न किसी का डर, अब कांग्रेस में वापसी या निर्दलीय संघर्ष पर टिकी निगाहें

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं में अब असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। इसी कड़ी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष और किसानों के बीच अपनी पहचान रखने वाले अमित सक्सेना ने मंगलवार को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर जिले की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं में अमित सक्सेना को एक प्रमुख चेहरे के रूप में देखा जाता रहा है। उनके इस फैसले के बाद अब राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगे हैं कि क्या दूसरे नेता भी भाजपा से दूरी बनाने की राह पर चलेंगे या फिर पार्टी में बने रहकर अपनी राजनीतिक पारी आगे बढ़ाएंगे?लोकसभा चुनाव के दौरान



कांग्रेस के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। उस समय इन नेताओं के दल बदलने को भाजपा के पक्ष में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया था। पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना के बाद अमित सक्सेना भी उन प्रमुख नेताओं में शामिल रहे, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे में अमित सक्सेना का अब भाजपा से अलग होने का निर्णय राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

किसानों के हितों को बताया सर्वोपरि

भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद अमित सक्सेना ने किसानों के हितों को अपनी राजनीति का केंद्र बताते हुए स्पष्ट किया कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई किसी राजनीतिक दल की सीमा में बंधकर नहीं लड़ी जा सकती। उनका कहना है कि किसानों ने उन्हें और उनके परिवार को हमेशा दिल खोलकर प्यार और समर्थन दिया है। किसानों के इसी विश्वास और सहयोग के कारण वे उनके हितों के लिए संघर्ष करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।अमित सक्सेना ने अपने इस्तीफे के साथ यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनके लिए सत्ता और संगठन से अधिक महत्वपूर्ण किसानों का हित है। उन्होंने कहा कि किसानों के हक की लड़ाई लड़ने से उन्हें कोई पार्टी, सत्ता, नोटिस या संगठन नहीं रोक सकता। उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा, चाहे इसके लिए उन्हें कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

न दबाव में काम किया, न आगे करेंगे

अमित सक्सेना ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी के दबाव में आकर काम नहीं किया और भविष्य में भी किसी के दबाव में काम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न सत्ता का लालच है और न ही किसी का डर। किसानों के अधिकारों और जनहित के मुद्दों को लेकर वे अपनी आखिरी सांस तक संघर्ष करते रहेंगे।उनके इस बयान को भाजपा से अलग होने के बाद अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता और किसान हितों के प्रति प्रतिबद्धता जताने के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, उनके इस्तीफे के पीछे राजनीतिक और संगठनात्मक परिस्थितियों को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन आगे की राजनीतिक रणनीति को लेकर अमित सक्सेना की ओर से अभी कोई स्पष्ट संकेत सामने नहीं आया है।

कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

अमित सक्सेना के भाजपा छोड़ने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि उनका अगला राजनीतिक कदम क्या होगा? क्या वे अपने पुराने राजनीतिक परिवार कांग्रेस में वापसी करेंगे या फिर फिलहाल किसी भी दल से दूरी बनाकर किसानों की लड़ाई स्वतंत्र रूप से लड़ते रहेंगे? इन सवालों के जवाब फिलहाल भविष्य के गर्भ में हैं।इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद नकुलनाथ के छिंदवाड़ा आगमन को लेकर भी राजनीतिक चर्चाओं को हवा मिल रही है। ऐसे में अमित सक्सेना की कांग्रेस नेताओं से संभावित मुलाकात और उनकी आगे की राजनीतिक भूमिका पर निगाहें रहेंगी। हालांकि, केवल नकुलनाथ के आगमन और अमित सक्सेना के इस्तीफे के आधार पर उनकी कांग्रेस में वापसी को लेकर कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।राजनीतिक जानकारों की नजर अब इस बात पर है कि क्या अमित सक्सेना कांग्रेस में लौटकर अपनी पुरानी राजनीतिक पारी को आगे बढ़ाएंगे या फिर बिना किसी राजनीतिक दल के किसानों और आम जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे। उनके सामने एक विकल्प यह भी है कि वे अपनी स्वतंत्र पहचान को मजबूत करते हुए जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहें।

भाजपा छोड़ने के बाद खुद को स्वतंत्र महसूस कर रहे अमित

अमित सक्सेना के इस्तीफे के बाद जिले की राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। उनके समर्थकों और राजनीतिक हलकों में इस फैसले को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद अब पार्टी से अलग होने का उनका निर्णय इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या कांग्रेस से भाजपा में आए अन्य नेता भी भविष्य में अपनी राजनीतिक दिशा बदल सकते हैं?फिलहाल अमित सक्सेना ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर अपने लिए एक नया राजनीतिक मोड़ तैयार कर लिया है। उनका कहना है कि इस्तीफे के बाद वे खुद को बेहद स्वतंत्र महसूस कर रहे हैं। अब देखना होगा कि उनकी यह स्वतंत्रता उन्हें किस राजनीतिक दिशा में ले जाती है।कुल मिलाकर, अमित सक्सेना के इस्तीफे ने छिंदवाड़ा की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। क्या वे कांग्रेस में वापसी करेंगे, किसी अन्य राजनीतिक विकल्प को चुनेंगे या फिर बिना किसी दल के किसानों के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेंगे? फिलहाल इन सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन इतना तय है कि उनके अगले कदम पर जिले के राजनीतिक समीकरणों की नजर रहेगी।

ब्रह्माकुमारीज़ ने सजाई चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी

सौंसर: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में वार्ड 15 स्थित गजानन महाराज मंदिर परिसर में चैतन्य देवियों की सजीव झांकी सजाई गई। झांकी का शुभारंभ सेंटर प्रमुख राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अनुराधा दीदी के मार्गदर्शन में हुआ।अतिथि के रूप में पूर्व नगराध्यक्ष संजय राठी, एड. एम.एम. पुरी वकील, नपा अध्यक्ष सुरेखा डागा, नवदुर्गा उत्सव समिति संगठन के समस्त पदाधिकारी नीरज पुरी, आशीष वानखेड़े, आकाश, सचिन निखाडे, गौरव पकडे, संदीप बागाणी, प्रवीण जेठा, विलास गायकवाड, गेंदलाल चौहान, चंद्रशेखर कलम्बे, रामभाऊ लिखारे, लहु सरोदे आदि मौजूद रहे।



सौंसर में स्थापित होगी राजा भोज की प्रतिमा, तहसील लाइब्रेरी परिसर में हुआ भूमिपूजन



सौंसर: पवार समाज के आराध्य एवं परम प्रतापी राजा भोज की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। तहसील परिसर से लगे लाइब्रेरी परिसर में शुक्रवार को विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ, कार्यक्रम में पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री नाना मोहोड़, जिला पंचायत सदस्य संदीप मोहोंड, नगरपालिका अध्यक्ष सुरेखा इंद्रचंद डागा, जनपद पंचायत अध्यक्ष संजय भुते, चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष गोपाल शर्मा, भाउराव पराड़कर नपा सौसर उपाध्यक्ष विनोद जूनघरे, पार्षद प्रशांत ठाकरे,प्रमोद पराड़कर उपस्थित रहे।किशोर किनकर ने राजा भोज जी का (1010-1055 ई.) के गौरवशाली इतिहास बताया,अवसर पर सीएमओ मौसम पालेवार, नपा सभापति रवि धुर्वे, बाल्या उफाट, खेमचंद पराड़कर, मोहित पवार, चित्रसेन रबड़े, जयंत गुरु,आदि गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सांसद साहू मां दुर्गा के मंदिरों और दरबारों में पहुंचे

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिरों और दरबारों में पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने मंदिरों और दरबारों में मौजूद श्रद्धालुओं को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने मंदिरों और दरबारों में पहुंचकर मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि वे समस्त जिलेवासियों को सुख, समृध्दि और अच्छी सेहत का आर्शीवाद दे। सभी के जीवन की सभी बाधाएं दूर हो और सभी को अपनी मेहनत का उचित फल मिले। मां दुर्गा के आर्शीवाद से सभी का जीवन अनुशासित और शांतिपूर्ण बना रहे। इस दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने तामिया, न्यूटन चिखली, परासिया सहित अन्य गांवों में मां दुर्गा के मंदिरों और दरबारों में पहुंचकर दर्शन कर पूजन किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्तागण और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।



राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका अमिता शर्मा बनीं बोर्ड परीक्षा सहायक नोडल अधिकारी

छिंदवाड़ा। जिले में बोर्ड परीक्षा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और महिला शिक्षकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका श्रीमती अमिता शर्मा को बोर्ड परीक्षा सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले में पहली बार किसी महिला शिक्षिका को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति को महिला शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।ज्ञात हो कि शिक्षा विभाग में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने के बाद जिले में महिला शिक्षकों की संख्या काफी अधिक है। परीक्षा के दौरान कई महिला शिक्षकों को जटिल परिस्थितियों के साथ निजी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिन्हें वे संकोचवश खुलकर नहीं बता पातीं। ऐसे में उनकी समस्याओं को समझने और परीक्षा संबंधी कार्यों में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रीमती शर्मा बोर्ड परीक्षा नोडल अधिकारी श्री ढोक के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगी।श्रीमती अमिता शर्मा उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में पदस्थ हैं। वे पिछले सात वर्षों से आपदा प्रबंधन एवं स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम तथा पिछले तीन वर्षों से वीर गाथा प्रोजेक्ट की जिला नोडल अधिकारी के रूप में कार्य कर रही हैं। इसके अलावा वे जेईई एवं नीट परीक्षाओं की नोडल अधिकारी के रूप में भी सफलतापूर्वक जिम्मेदारी निभा चुकी हैं।ब्रह्म समाज कल्याण मंडल छिंदवाड़ा की ओर से श्रीमती अमिता शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह जानकारी मंडल के मीडिया प्रभारी एडवोकेट संजय कुमार गुहा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

फिर भरा गया स्लेक की जगह स्टीम कोयला

इस बार कोई हलचल नहीं, जेसीबी मशीन की मदद से ट्रक में लोड किया गया कोयला

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया



पेंच कोयला क्षेत्र की भूमिगत कोयला खदान नेहरिया में कोयले की कथित हेरा फेरी का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है । खदान में एक बार फिर स्लेक कोयले की जगह स्टीम कोयला ट्रक में भर जाने की खबर सामने आई है । इस बार इस मामले को लेकर कोई खास हलचल ना देखने को मिली और ना सुनाई दे रही है , जबकि पिछली बार ऐसा ही मामला सामने आने पर प्रबंधन और सीआईएसएफ के द्वारा कड़े कदम उठाए गए थे । वहीं श्रमिक संगठन के कुछ नेताओं ने भी खूब रुचि दिखाई थी ।मिली जानकारी के अनुसार वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (WCL) की नेहरिया कोयला खदान में रोड सेल के तहत कोयला लोडिंग को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं । आरोप है , कि व्यापारी के कोयला उठाव की अंतिम तारीख होने के कारण निर्धारित समय में गाड़ी भरने की जल्दबाजी में नियमों को ताक पर रख दिया गया । बंकर बंद होने के बाद भी जेसीबी मशीन की मदद से ट्रक में कोयला लोड किया गया । बताया जा रहा है , कि ट्रक में स्लैक कोयले की जगह स्टीम कोयला भरा जा रहा था ।

यह हेराफेरी सी आई एस एफ की पकड़ में आ गई । बताया जा रहा है , कि स्टीम कोयला रोड सेल के ट्रक क्रमांक MH4BG405 में भरा जा रहा था । इस घटना क्रम के दौरान सुपरवाइजर तरुण और ड्राइवर अय्यूब की उपस्थिति में होना बताया जा रहा है । हालांकि ट्रक में कोयले की वास्तविक श्रेणी लोडिंग की अनुमति और पूरे घटना क्रम की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है ।

प्रबंधक बदलकर भी नहीं रूक रही हेराफेरी

बता दें , कि पिछले सितंबर 25 को भी इसी कोयला खदान में स्लेक की जगह स्टीम कोयला भरे जाने का मामला सामने आया था । इसके बाद कोयले से भरे ट्रक को सीआईएसएफ के द्वारा सिंगोड़ी पुलिस थाने में पहुंचा दिया गया था । वहीं प्रबंधन ने दो वेकोलि कर्मचारियों के खिलाफ नोटिस जारी किया था । इस मामले में कुल पांच लोगों पर पुलिस द्वारा मामला पंजीबद्ध किया गया था ।वहीं इसी मामले को लेकर श्रमिक संगठन के नेताओं के द्वारा प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई के लिए दबाव बनाया गया था । इसके बाद तात्कालिक प्रबंधक शशिकांत साहू का तबादला बल्लारपुर एरिया में कर दिया गया उनके स्थान पर नए प्रबंधन ने खदान का प्रभार संभाला । बावजूद इसके कोयले में हेरा फेरी का मामला फिर सामने आ गया । इस मामले में ट्रांसपोर्टर कोई और था और इस ताजा मामले में ट्रांसपोर्टर कोई और है ।

उप क्षेत्रीय प्रबंधक कर रहे जांच

इस मामले को लेकर पेंच कोयला क्षेत्र के महाप्रबंधक विकास कुमार अग्रवाल से चर्चा में उन्होंने बताया , कि घटना की जांच उप क्षेत्रीय प्रबंधक के द्वारा की जा रही है । पूरी जांच होने और रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है ।

पवनपुत्र ने लंका दहन करके तोड़ दिया रावण का घमंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

दिन प्रतिदिन नवाचारों के साथ श्रीरामलीला का मंचन छोटी बाजार में हो रहा है। मंडल के उपाध्यक्ष कुशल शुक्ला एवं ट्विंकल चरणागर ने बताया कि श्रीराम से मित्रता के उपरांत सुग्रीव ने अपनी सम्पूर्ण सेना माता जानकी की खोज में भेज देते है परन्तु दक्षिण के समुद्र को लांग पाना किसी के लिए सम्भव नही हो पाता तब जामवंत जी हनुमानजी को उनकी शक्ति का बोध कराते है। हनुमानजी वायु मार्ग से लंका के द्वार पर पहुँचते है जहाँ लंकनी का उद्धार करते है। विभीषण जी हनुमान जी को माता जानकी का पता बताते है तब हनुमानजी अशोक वाटिका में छिपकर रावण एवं जानकी के वार्तालाप को सुनते है एवं रावण के जाने के बाद जानकी जी एवं हनुमानजी की वार्तालाप होती है जिसमे हनुमानजी श्रीराम का संदेश बताते है कि श्रीराम शीघ्र ही उन्हें उस बंधन से मुक्त करवाएंगे। जानकी जी की आज्ञा से हनुमानजी वाटिका के फल खाने लगते है वहाँ उपस्थित जम्बू माली से युद्ध होता है, हनुमानजी जम्बू माली का वध करते है। रावण को इस घटना की सूचना मिलती है तब वह अपने पुत्र अक्षय कुमार को पहुँचाता है । अक्षय कुमार से युद्ध कर हनुमानजी उसका भी वध करते है। अंत मे रावण का पुत्र मेघनाथ युद्ध के लिए आता है और हनुमानजी को ब्रम्ह अस्त्र का प्रयोग कर बंधी बना कर रावण के समक्ष प्रस्तुत करता है। रावण सभा में हनुमानजी के वध करने का आदेश देता है जिस पर विभीषण रोक कर कहते है कि दूत का वध करना नीति विरुद्ध है अतएव फिर रावण हनुमानजी की पूछ में आग लगाने आदेश देता है परन्तु हनुमानजी विभीषण के महल को छोड़कर सम्पूर्ण लंका में आग लगा देते है।रामभोग, प्रकाश व्यवस्था एवं स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन बन रहा आकर्षण का केंद्रमडंल के संरक्षक राजू चरणागर ने बताया कि इस वर्ष आकर्षक प्रकाश व्यवस्था समिति द्वारा महानगरों की तर्ज पर की गई है। जिसकी जिम्मेदारी राजकुमार चौरसिया एवं अभिषेक गोयल सम्भाले हुए है। संरक्षक अशोक चौरसिया ने बताया कि रामभोग के सहयोग के लिए प्रतिदिन सहयोगी आगे आ रहे है। मंडल के द्वारा प्रतिदिन अपील की जा रही है कि त्यौहार की सामग्री का क्रय स्थानीय व्यवसायी से ही करे।ये रहे दसवें दिन के मुख्य कलाकारउपाध्यक्ष रोहित द्विवेदी ने जानकारी दी कि दसवें दिवस श्रीराम : रजत पाण्डेय, लक्ष्मण : आयुष शुक्ला, सीता : प्रज्ञांश शुक्ला हनुमान : संतोष कुशवाह, जामवंत : सतीश विश्वकर्मा, रावण : जितेंद्र सोनी , मेघनाद : उत्तम सोनी विभीषण : नीरज चौरसिया, अक्षय कुमार : आकाश सोलंकी जम्बू माली : अभिषेक गोयल ने भूमिकाएं निभाई।आज की लीला में होगा युद्ध का ऐलानमंडल के राहुल द्विवेदी ने बताया कि आज रामलीला में अंगद का युद्ध घोष की लीला खेली जाएगी जिसमें अंगद रावण के दरबार में पहुंचकर अपने पैर जमा देंगे जिसे कोई भी हिला नहीं पाएगा। अंगद की एक आखरी चेतावनी के बावजूद रावण पीछे नहीं हटेगा, अंगद युद्ध का ऐलान करेंगे।

पुलिस की मेहनत लाई रंग जुआंरियों के रंग में पड़ा भंग परासिया पुलिस के हत्थे चढ़े जुआंरी

परासिया :- परासिया के मयूर वन में जुआं खेलने के आदी कुछ आरोपी जमघट लगाकर जुआं खेल रहे थे ।इनके रंग में भंग उस वक्त पड़ गया जब परासिया पुलिस की टीम अचानक पहुंची और जुआं खेलने वालों में से 6 आरोपियों को पकड़ने में कामयाब रही मिली जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर शुक्रवार शाम को मयूर वन में कुछ लोगों द्वारा जुआ खेलने की सूचना मिली । इसके बाद परासिया पुलिस ने जुआं खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मयूर वन क्षेत्र में दबिश देकर छह आरोपियों को पकड़ा । पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते , छह मोबाइल फोन और 5 हजार 780 रुपये नकद जब्त किए हैं । सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआं एक्ट की धारा 13 के तहत कार्रवाई की गई । पुलिस ने मौके पर दबिश दी और जुआं खेलते हुए छह लोगों को पकड़ा । आरोपियों की पहचान शाहबाज पिता वाहिद खान , आबिद पिता शेख हसन , इरफान खान पिता अल्ताफ खान , शेख सलाम पिता शेख शमशीर, शेख शोएब पिता मोहम्मद शरीफ और नयन पिता कृष्ण कुमार आम्रवंशी के रूप में हुई है । सभी आरोपी परासिया निवासी बताए गए हैं ।इस कार्रवाई में परासिया थाना प्रभारी ईश्वर पटले के साथ प्रधान आरक्षक मनोज बघेल , नरेश कहार , आशीष कटारे , गजराज डेहरिया तथा आरक्षक संजय बघेल विपिन पांडेय बृज भलावी और अनुरोध बघेल की प्रमुख भूमिका रही ।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष , कृषि सभापति ने किया वितरण

50 किसानों को बांटे सरसों और चने के बीज



हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

कृषि विभाग परासिया ने कृषि कार्यालय परासिया में शुक्रवार को 50 किसानों को सरसों और चने के बीजों का वितरण किया । जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जमील खान और कृषि स्थाई समिति के सभापति कृपाल शाह मर्सकोले ने बीजों का वितरण किया । कार्यक्रम में जनपद सदस्य सुनील आहके और गीता संतोष साहू उपस्थित रहे ।जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष जमील खान ने बताया, कि इस बार 200 किसानों को सरसों और चने के बीजों का वितरण किया जाना है । क्लस्टर प्रदर्शन के तहत बीजों का वितरण किया गया है ।

किसानों को बांटने के लिए नगद गेहूं बीज भी उपलब्ध है । पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दस्तावेजों के साथ आने पर किसानों को बीज प्रदान किया जनक है । क्लस्टर प्रदर्शन में बीजों का लाभ लेने के लिए एक हेक्टेयर जमीन होना आवश्यक है । किसानों को आधार कार्ड समग्र आईडी जमीन के दस्तावेज लेकर आना होगा ।बीज वितरण कार्यक्रम में विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अमित बघेल , एईओ निकिता सिंह , संतराम कवरेती , पंकज सरेयाम , योगेश भलावी , रूपाली मरकाम , आरसी सल्लाम , बीएल धुर्वे , जीएस वाडिवा उपस्थित रहे ।किसानों को 60 किलो चना , 5 किलो सरसों के बीज के साथ प्रदर्शन सामग्री प्रदान की गई । प्रदर्शन सामग्री में कीटनाशक , फफूंद नाशक , बायो फर्टिलाइजर , प्रोम खाद प्रदान की गई । खाद्य तेल और दलहन दोनों की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए ये योजना चलाई जा रही है । 6850 रुपए में किसानों को बीज और सामग्री दी गई ।

शासकीय महाविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत पैनल चर्चा आयोजित



बिछुआ। शासकीय महाविद्यालय बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत "एनईपी शिक्षा से विकसित भारत" थीम पर "भारत में शिक्षा का भविष्य" विषयक पैनल चर्चा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर पी यादव के निर्देशन में आयोजित की गई।कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा व्यवस्था के भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा तथा विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर विचार-विमर्श करना था।चर्चा के दौरान शिक्षा को रोजगारोन्मुखी, कौशल-आधारित, समावेशी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही, उच्च शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान, तकनीकी ज्ञान तथा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए।कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती मीना ठाकरे रहीं। पैनल सदस्यों के रूप में श्री मनीष कुमार ठाकुर, डॉ दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. इस्मिल बेलिया, डॉ सविता सहारे, श्री प्रवीण मंदराह, श्री योगेंद्र सिंह डावर ने सहभागिता की। चर्चा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समान अवसर तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के महत्व को रेखांकित किया गया।

क्षेत्र के सार्वजनिक दुर्गा पंडाल पहुंचे क्षेत्रीय विधायक पटेल माताराानी की पूजा अर्चना कर लिया आशीर्वाद



नगर में विकास कार्य करवाने सहित ग्रामों में शिक्षा चिकित्सा में सुधार करना पहली प्राथमिकता-विवेक पटेल

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

शारदेय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल वारासिवनी-खैरलांजी क्षेत्रों के ग्राम घोटी, भेंडारा, लड़सड़ा, सिवनघाट और वारासिवनी नगर के वॉर्ड नम्बर 11 हैदराबाद मोहल्ले में स्थित सार्वजनिक दुर्गा उत्सव पंडाल पहुंचे। जहां उन्होंने माताराानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लेकर किसानों की अच्छी फसल सहित क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की। जिसके बाद उन्होंने स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर उनकी समस्या सुनी तथा कुछ समस्याओं का तत्काल निराकरण भी किया।

इस दौरान राजकुमार चौधरी, संदेश बिसेन, प्रमेंद्र हेड़ाऊ, अरविंद कुल्हाड़े, सुमन नंदनवार, वीरेंद्र गोखले, सूरज करकाडे, चितलाल बसेने, संतोष ठकरेले, चुन्नीलाल बघेले, डाली नगपुरे, पन्नालाल नगपुरे, नरेंद्र पटले, रूपेंद्र बघेले, दिनेश राहंगडाले, महेश उपवंशी, नरेंद्र पटले, राजेंद्र नगपुरे, संतोष ठाकरे, भुवनलाल कटरे, जीतलाल बसेने सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

नगरवासियों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि मुझे नगर सहित क्षेत्र के हर ग्रामों की जनता ने आशीर्वाद दिया है। उन्हीं के आशीर्वाद से मै विधायक बना हूँ। वारासिवनी नगर में भी विकास कार्य करवाना मेरी पहली प्राथमिकता है। नगर पालिका जिस वॉर्ड में विकास कार्य नहीं करवाएगी और मेरे पास किसी भी वॉर्ड का कोई भी व्यक्ति किसी कार्य को करवाने समस्या लेकर आयेगा। तो मै उन वार्डों में विधायक निधि की राशि से विकास कार्य करवाऊंगा। देखा जा रहा है कि वारासिवनी नगरपालिका में कोई समस्या लेकर जाता है। तो चहरा देखकर उसका काम किया जाता है।

पौनी गांव में रात के अंधेरे से लेकर दिनदहाड़े तक रेत का अवैध खनन और परिवहन करने का आरोप

सोन नदी में रेत का अवैध उत्खनन जारी, जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी।



किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम पौनी स्थित सोन नदी में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। आरोप है कि नदी से रात के अंधेरे में ही नहीं, बल्कि दिनदहाड़े भी रेत निकालकर उसका परिवहन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी में लगातार अवैध उत्खनन हो रहा है, तो जिम्मेदार विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

बिना रॉयल्टी रेत परिवहन से राजस्व नुकसान की आशंका: शिकायतकर्ताओं के अनुसार, सोन नदी से बिना वैध रॉयल्टी के रेत निकालकर उसका परिवहन किए जाने के आरोप हैं। यदि इन गतिविधियों की पुष्टि होती है, तो इससे शासन को राजस्व की हानि हो सकती है। वहीं, अनियंत्रित उत्खनन से नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध उत्खनन और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

खनिज विभाग ने पर्याप्त अमला नहीं होने का दिया हवाला: मामले में खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि बालाघाट जिले के खनिज विभाग को अवैध उत्खनन की सूचना देने पर पर्याप्त बल उपलब्ध नहीं होने की बात कही गई। साथ ही, संबंधित पुलिस थाने के माध्यम से कार्रवाई किए जाने की बात भी सामने आई है। ऐसे में सवाल उठता है कि अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग के बीच समन्वय बनाकर संयुक्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि अवैध उत्खनन की सूचना संबंधित विभागों को देने के बाद कथित तौर पर इसकी जानकारी रेत निकालने वालों तक पहुंच जाती है। इसके चलते कार्रवाई से पहले ही वे मौके से हट जाते हैं और जांच के दौरान अवैध उत्खनन के प्रमाण नहीं मिल पाते। हालांकि, सूचना लीक होने और कथित रेत माफिया को सतर्क किए जाने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की जा रही है।

सोन नदी में कथित अवैध उत्खनन को लेकर किरनापुर राजस्व विभाग और लांजी थाना क्षेत्र की पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर ग्राम पौनी स्थित सोन नदी का औचक निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही, रेत परिवहन करने वाले वाहनों के दस्तावेज, रॉयल्टी और उत्खनन संबंधी अनुमति की जांच कराई जाए। यदि अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है, तो संबंधित लोगों के साथ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मामले में संबंधित विभागों का पक्ष सामने आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तमिलनाडु चेन्नई एवं बिल्डअप पन्ना हो सकती है सेमीफाइनल से बाहर

बालाघाट एवं हैदराबाद का मुकाबला ड्रॉ, तमिलनाडु चेन्नई ने 1-0 से पन्ना को हराया

हरिभूमि न्यूज उकवा।



मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान मे कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी ।टूर्नामेंट के संरक्षक श्री उमाकांत भुजाडे अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोसे प्रबंधक उकवा खान जयंता प्रधान अंडरग्राउंड खान प्रबंधक उकवा के एल तेकाम तहसीलदार जेम्स बारिक उपाध्यक्ष जिला फुटबॉल एसोसिएशन बालाघाट विशिष्ट अतिथि श्री विवेक महाकालकर शिव शंकर तिवारी ओमेंद्र बिसेन पत्रकार अशोक राउत आनंद गोदरे सलीम खान संजना बर्बे टूर्नामेंट के छटवे दिन का पहला मैच आर टी बॉयज हैदराबाद एवं मॉयल एलेवन एफसी बालाघाट के मध्य खेला गया जिसमे जिसमें दोनों ही टीमें 0-0 की बराबरी पर रही। दोनों ही टीमे 5-5 अंक पर सेमीफाइनल में जाना लगभग तय । इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा मैच तमिलनाडु पुलिस चेन्नई एवं बिल्ड अप स्पोर्ट्स फाउंडेशन पन्ना के मध्य खेला गया जिसमें तमिलनाडु पुलिस चेन्नई 1-0 से विजयी होकर चार अंक पर रही। नवदुर्गा उत्सव समिति कोषाध्यक्ष श्री विशाल सालुंखे संदीप मरकाम कार्यक्रम सचिव अजय बडोले बी कोटेश्वर राव आकाश मोंडे ऋषिकेश करवाडे व्यवस्था समिति महेश धुर्वे हर्बल तागड़े राजेंद्र भारद्वाज कृष्ण कठोते प्रवीण नायर तरुण कौशिक टूर्नामेंट एवं नवदुर्गा समिति सह सचिव विनय टांडी प्रीतम यादव । आज खेले जाने वाला पहला मैच आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं मॉयल बॉयज उकवा के मध्य खेला जाएगा इसी तरह आज का दूसरा मैच नेशनल फुटबॉल क्लब मऊ इंदौर एवं रंगिया टाउन क्लब रंगिया आसाम के मध्य खेला जाएगा । आज रात्रि मे ओपन डांस प्रतियोगिता का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें प्रथम पुरस्कार 15 हजार द्वितीय पुरस्कार 11 हजार एवं तृतीय पुरस्कार 5 हजार रु विजेता गरबा ग्रुपों को प्रदान किए जाएंगे । मैच कमिश्नर अंजल सिग ठाकुर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कपिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंम्बुज गुप्ता अनूपपुर रोहित यादव उकवा तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई ।

एसडीएम ने अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

गंदगी देखकर भड़के, दो सफाईकर्मियों का वेतन काटने के निर्देश



हरिभूमि न्यूज कटंगी। अनुविभागीय अधिकारी विजय सिंह यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी। अचानक एसडीएम के पहुंचने से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में सफाई से लेकर सुरक्षा तक कई गंभीर खामियां उजागर हुईं, जिस पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी को सुधार के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत में ही सफाई व्यवस्था की बदहाली सामने आ गई। ड्यूटी पर तैनात दो सफाई कर्मचारी गीता गोरे और गणेश रगड़े अनुपस्थित मिले। अस्पताल के सामान्य शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा था और परिसर में बड़ी-बड़ी अवांछित वनस्पति उगी हुई थी। इसे देखते हुए एसडीएम ने तत्काल दोनों अनुपस्थित कर्मचारियों का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए और दो दिन के भीतर पूरे परिसर को साफ-सुथरा करने का अल्टीमेटम दिया। इतना ही नहीं, अस्पताल में आपात स्थिति से निपटने के लिए लगाए गए अग्निशामक यंत्र भी अक्रियाशील पाए गए। इस गंभीर लापरवाही पर एसडीएम ने बीएमओ को फटकार लगाते हुए सभी यंत्रों को तत्काल क्रियाशील कर स्थापित करने के निर्देश दिए। हालांकि, ओपीडी व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित होती मिली और इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित थे। एसडीएम ने भर्ती मरीजों से भी चर्चा की, जिनमें से अधिकांश ने स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर मिलने की बात कही, जो राहत भरा पहलू रहा।

मेटरनिटी वार्ड में बदइंतजामी पर लगाई फटकार: एसडीएम ने मैटरनिटी वार्ड का निरीक्षण किया, जहां स्थिति और भी चिंताजनक मिली। वार्ड में लाइट व्यवस्था सुचारू नहीं थी और वार्ड से लगे शौचालयों की हालत अत्यंत खराब मिली। शौचालयों में सेनेटरी पैड भरे हुए पाए गए। इस दृश्य को देखकर एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त की और साफ-सफाई को लेकर विशेष निर्देश दिए। इसी वार्ड में एक प्रसूता महिला जिस बिस्तर पर भर्ती थी, उस पर चादर तक नहीं थी। इस पर ड्यूटी पर तैनात महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों को समझाइश देते हुए एसडीएम ने चेतावनी दी कि किसी भी मरीज का बिस्तर बिना चादर के नहीं होना चाहिए और अगले निरीक्षण में यह कमी पाई गई तो सख्त एक्शन लिया जाएगा। एसडीएम ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का निरीक्षण किया, जहां एक सकारात्मक तस्वीर देखने को मिली। यहां बच्चों को 14 दिन तक भर्ती रखने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इनमें से 7 बच्चों वेदिका, विशेष, रियान, शौर्य, सेशांत, अयान और येशिका के वजन में 300 से 400 ग्राम तक की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल से अक्टूबर तक एनआरसी में कुल 158 कुपोषित बच्चों को भर्ती कर उपचार किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। इस पर संतोष जताते हुए एसडीएम ने परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे को निर्देशित किया कि क्षेत्र के प्रत्येक चिन्हित कुपोषित बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराया जाए ताकि कुपोषण को जड़ से खत्म किया जा सके।

खबर संक्षेप

जिले में 'अपराजिता कार्यक्रम' के तहत बालिकाओं को दिया गया 15 दिवसीय प्रशिक्षण

सिवनी। मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में जिले में 'अपराजिता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की बालिकाओं के आत्मविश्वास, आत्मरक्षा, नेतृत्व क्षमता, खेल प्रतिभा एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 30 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रशिक्षण जिले के विभिन्न परियोजना क्षेत्रों में संपन्न हुआ। इनमें सिवनी शहरी, सिवनी ग्रामीण-01 एवं ग्रामीण-02, लखनादौन, घंसौर, केवलारी, बरघाट, कुरई, धनौरा एवं छपारा परियोजना क्षेत्र शामिल रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित बालिकाओं को निर्धारित अवधि में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत परियोजना स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं का चयन किया गया।'अपराजिता कार्यक्रम' का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर एवं सुरक्षित बनाना तथा उन्हें जीवन में आगे बढने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं में आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने की पहल की गई।जिले में आयोजित यह कार्यक्रम बालिकाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया।

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय-सारणी निर्धारित

सिवनी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय-सारणी निर्धारित की गई है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके पश्चात 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा।

निर्धारित समय-सारणी के अनुसार 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

विधायक रजनीश सिंह ठाकुर की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर उठे सवाल, पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग

जिला अस्पताल में 55 से अधिक नवजात बच्चों की मौत का मामला गंभीर, निष्पक्ष जांच की मांग





सिवनी। जिला अस्पताल में कुपोषण और समय से पहले जन्मे नवजात बच्चों की मृत्यु के गंभीर मामले को लेकर विधायक रजनीश सिंह ठाकुर द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय, सिवनी में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान जिला अस्पताल में 55 से अधिक बच्चों की मृत्यु के मामले को अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक बताते हुए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए गए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में समय से पहले जन्मे और गंभीर स्थिति वाले नवजात बच्चों को विशेष उपचार प्रदान किया जाता है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मृत्यु के मामले की गंभीरता से जांच होना आवश्यक है। अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और अन्य संबंधित पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री नरेश मरावी, परासिया विधायक सोहन वाल्मीकि, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री पप्पू खुराना, जिला कांग्रेस महामंत्री शिव सनोडिया सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की गईं। कांग्रेस की ओर से मांग की गई कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

इसके साथ ही जिला अस्पताल सहित स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार करने पर जोर दिया गया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वक्ताओं ने कहा कि मासूम बच्चों का जीवन अनमोल है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना और नवजात शिशुओं के उपचार की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल पहुंचे मां काली के दरबार, माथा टेका



सिवनी। उत्तराखंड प्रदेश के महामहिम राज्यपाल डॉ ढाल सिंह बिसेन शपथ ग्रहण से पहले शुक्रवार को अपने पैतृक गांव स्थित मां काली मंदिर आष्टा पहुंचे, सहपरिवार पहुंचकर में मां काली मंदिर में माथा टेका और देश,प्रदेश के सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की, पुलिस की कड़ी सुरक्षा के मंदिर पहुंचे राज्यपाल, 19 अक्टूबर को विशेष विमान से उत्तराखंड देहरादून शपथ ग्रहण करने राजभवन जाएंगे जहां गोपनीयता की शपथ लेंगे। आष्टा पहुंचते ही क्षेत्रवासियों के चेहरों में अलग ही खुशी का नजारा देखने को मिला मां काली सेवा समिति के सदस्यों ने ढोल नगाड़ों के साथ महामहिम राज्यपाल डॉ ढाल सिंह बिसेन का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

अवैध उर्वरक एवं कीटनाशक भंडारण के मामले में एफआईआर दर्ज

सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक एवं कीटनाशक के गुणवत्ता नियंत्रण तथा अवैध भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कृषि विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से भंडारित उर्वरक एवं कीटनाशक पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए थाना लखनादौन में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

उपसंचालक कृषि के निर्देशानुसार सहायक संचालक कृषि श्री पवन कुमार कौरव, श्री बी.आर. आठया एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्री सचिन बामने के दल द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर गोपाल प्रसाद गोलानी के भवन का निरीक्षण किया गया। भवन के संबंध में बताया गया कि इसे टेकसिंह गोलानी, निवासी सिहोरा को किराए पर दिया गया था। निरीक्षण के दौरान भवन में उर्वरक का भंडारण पाया गया। संबंधित द्वारा भंडारित उर्वरक के संबंध में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके पश्चात निरीक्षण दल द्वारा बंजारी कृषि केंद्र, सिहोरा के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान संचालक श्री सौरभ गोलानी मौके पर उपस्थित नहीं हुए। बाद में प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर उपलब्ध उर्वरक एवं कीटनाशक के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान 20.15 लीटर कीटनाशक तथा 77.5 किलोग्राम खरपतवारनाशक के संबंध में भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

इस पर बंजारी कृषि केंद्र, सिहोरा का उर्वरक लाइसेंस लंबित किया गया। प्रकरण में संयुक्त संचालक कृषि, जबलपुर संभाग द्वारा गठित जांच दल ने भी गोपाल प्रसाद गोलानी के भवन में भंडारित उर्वरक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन का ताला खोलकर पंचनामा तैयार किया गया। मौके पर पीपीएल कंपनी की 149 बोरी डीएपी, आईपीएल कंपनी की 35 बोरी डीएपी, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की 36 बोरी यूरिया तथा मध्य भारत एग्रो प्राइवेट लिमिटेड की 42 बोरी कैल्शियम सल्फेट अवैध रूप से भंडारित पाया गया।

जांच दल द्वारा टेकसिंह गोलानी की उपस्थिति में संबंधित उर्वरकों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रकरण में टेकसिंह गोलानी एवं सौरभ गोलानी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955, उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं कीटनाशक अधिनियम, 1968 की संबंधित धाराओं के तहत थाना लखनादौन में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

ग्राम कोनियापार में मल्चर यंत्र से फसल अवशेष प्रबंधन का प्रदर्शन, किसानों को किया जागरूक

सिवनी। जिले में फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने एवं किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम कोनियापार में निजी कस्टम हायरिंग केंद्र के हितग्राही श्री राकेश सनोडिया द्वारा मल्चर यंत्र की सहायता से मक्का के फसल अवशेषों का प्रबंधन किया जा रहा है। इस दौरान कृषि अभियांत्रिकी सिवनी के अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सहित ग्राम के अन्य कृषक उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मल्चर यंत्र की उपयोगिता एवं उसके लाभों की जानकारी दी गई।सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी उपसंभाग सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मक्का की कटाई के बाद खेत में बचे मोटे डंठलों, पत्तियों एवं अन्य फसल अवशेषों के प्रबंधन में मल्चर एक उपयोगी कृषि यंत्र है। इसके माध्यम से फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खेत में ही फैलाया जा सकता है। इससे फसल अवशेषों को जलाने की आवश्यकता कम होती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है।उन्होंने बताया कि मल्चर से कटे हुए फसल अवशेष खेत में सडक़र मिट्टी में जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ाने में सहायक होते हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही, अवशेषों के छोटे-छोटे टुकड़ों में कटने एवं खेत में समान रूप से फैलने से आगामी फसल की जुताई तथा खेत की तैयारी करना आसान हो सकता है। खेत में फसल अवशेषों की उपस्थिति से मिट्टी की नमी बनाए रखने में भी सहायता मिलती है।कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किसानों को फसल अवशेषों का खेत में ही उचित प्रबंधन करने तथा नरवाई जलाने के स्थान पर आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मल्चर जैसे कृषि यंत्रों का उपयोग फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी बनाने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की दिशा में उपयोगी पहल है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य पालन योजनाओं का लाभ लेने 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

सिवनी। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को मत्स्य पालन एवं मत्स्य व्यवसाय से जोडक़र आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों से कार्यालय उप संचालक मत्स्योद्योग, सिवनी में 30 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उप संचालक मत्स्योद्योग सहदेव नागले ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत सिवनी जिले में अनुसूचित जनजाति बाहुल्य 397 ग्रामों का चयन भारत सरकार द्वारा जनसंख्या के आधार पर किया गया है। इनमें लखनादौन विकासखंड के 100 ग्राम, छपारा के 54 ग्राम, घंसौर के 84 ग्राम, धनौरा के 50 ग्राम, केवलारी के 19 ग्राम, सिवनी के 33 ग्राम, बरघाट के 17 ग्राम तथा कुरई के 40 ग्राम शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि चयनित ग्रामों के अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे कृषक एवं इच्छुक हितग्राही, जो मत्स्य पालन अथवा इससे संबंधित व्यवसाय प्रारंभ करना चाहते हैं, अभियान के अंतर्गत संचालित योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं की कुल लागत का 90 प्रतिशत अंश केंद्र सरकार द्वारा तथा 10 प्रतिशत अंश हितग्राही द्वारा वहन किया जाएगा।

अभियान अंतर्गत संचालित प्रमुख योजनाएं

अभियान के अंतर्गत स्वयं की भूमि पर अधिकतम 2 हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन हेतु तालाब निर्माण एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था, 0.50 हेक्टेयर क्षेत्र में सर्कुलर हैचरी निर्माण, 0.10 से अधिकतम 0.20 हेक्टेयर क्षेत्र में तालाब आधारित बायोफ्लॉक इकाई की स्थापना तथा 7, 25 एवं 50 टैंक क्षमता वाली बायोफ्लॉक इकाइयों की स्थापना के लिए सहायता का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त 1 हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य बीज संवर्धन जलक्षेत्र निर्माण, प्रतिदिन 10, 20, 30 एवं 50 टन क्षमता के शीतगृह, बर्फ संयंत्र एवं आइस प्लांट की स्थापना तथा प्रतिदिन 2, 8, 20 एवं 100 टन क्षमता वाली मत्स्य आहार निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

इसी प्रकार मछली विक्रय केंद्र (फिश कियोस्क), रंगीन मछलियों के प्रजनन एवं संवर्धन हेतु 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में इकाई की स्थापना, पिंजरा पद्धति से मत्स्य पालन तथा मत्स्य परिवहन के लिए सहायता भी योजना में शामिल है। परिवहन संबंधी सहायता के अंतर्गत बर्फ पेटी सहित साइकिल, बर्फ पेटी सहित मोटरसाइकिल, बर्फ पेटी सहित तीन पहिया वाहन, जीवित मछली विक्रय केंद्र तथा प्रशीतित वाहन के लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लाभ लिया जा सकता है।उप संचालक मत्स्योद्योग श्री नागले ने बताया कि हितग्राही को संबंधित योजना के अंतर्गत निर्माण अथवा इकाई की स्थापना प्रारंभ करने से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत योजना एवं पात्रता के अनुसार अनुदान हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। शासन से स्वीकृति प्राप्त होने पर पात्र हितग्राही को नियमानुसार अनुदान का लाभ प्रदान किया जाएगा।

जिले के चयनित 397 ग्रामों के अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक कृषकों एवं हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे 30 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय उप संचालक मत्स्योद्योग, सिवनी में आवेदन प्रस्तुत कर अभियान के अंतर्गत संचालित मत्स्य पालन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को किया जागरूक

सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में नरवाई प्रबंधन तथा पर्यावरण एवं मृदा संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों के ग्रामों में किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई। साथ ही किसानों को रबी मौसम में कम पानी की आवश्यकता वाली दलहनी एवं तिलहनी फसलें अपनाने की सलाह दी गई।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए सिवनी विकासखंड के ग्राम तिघरा एवं ढेकी, बरघाट विकासखंड के ग्राम केसला एवं सिगपुर, केवलारी विकासखंड के ग्राम छिंदा, झोला, गोपेवानी, खापा, घरघोदी, कुचीवाड़ा एवं बगलई, कुरई विकासखंड के ग्राम लेवसर्रा, डुगरिया एवं चिखलापानी, छपारा विकासखंड के ग्राम खमरिया, सागर एवं लकवाह, लखनादौन विकासखंड के ग्राम लखनादौन एवं मोहगांव, धनौरा विकासखंड के ग्राम सलेमा, सुकवाह एवं हरदूली तथा घंसौर विकासखंड के ग्राम बालपुर एवं दारोट में किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने के लिए जागरूक किया गया।

इस दौरान किसानों को बताया गया कि फसल अवशेषों को खेतों में जलाने से मिट्टी के उपयोगी सूक्ष्मजीवों एवं जैविक पदार्थों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसलिए फसल अवशेषों को जलाने के स्थान पर उन्नत कृषि यंत्रों के माध्यम से उनका उचित प्रबंधन करना चाहिए। इससे मिट्टी की गुणवत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलती है।

कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को रबी फसल की तैयारी के दौरान कम पानी की आवश्यकता वाली दलहनी फसलों में चना एवं मसूर तथा तिलहनी फसलों में सरसों एवं कुसुम की खेती अपनाने की सलाह दी गई। इससे उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद मिल सकती है।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे रबी फसलों की तैयारी के दौरान नरवाई एवं अन्य फसल अवशेषों में आग न लगाएं। उन्नत कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर पर्यावरण, मिट्टी की उर्वरता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

जिले के 21 ग्रामों में किसानों ने ली नरवाई न जलाने की शपथ

कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली दलहन एवं तिलहनी फसलों को अपनाने की दी सलाह

सिवनी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में नरवाई प्रबंधन एवं फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन को लेकर किसानों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों के ग्रामों में कृषकों को फसल अवशेष नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई तथा नरवाई प्रबंधन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

अभियान के अंतर्गत सिवनी विकासखंड के ग्राम तिघरा एवं ढेकी, बरघाट के ग्राम केसला एवं सिगपुर, केवलारी के ग्राम छिंदा, झोला, गोपेवानी, खापा, घरघोदी, कुचीवाड़ा एवं बगलई, कुरई के ग्राम लेवसर्रा, डुगरिया एवं चिखलापानी, छपारा के ग्राम खमरिया, सागर एवं लकवाह, लखनादौन के ग्राम लखनादौन एवं मोहगांव, धनौरा के ग्राम सलेमा, सुकवाह एवं हरदूली तथा घंसौर के ग्राम बालपुर एवं दारोट में कृषकों के बीच पहुंचकर फसल अवशेष न जलाने की शपथ दिलाई गई।इस दौरान किसानों को रबी फसलों की तैयारी के संबंध में जानकारी देते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली दलहन एवं तिलहनी फसलों को अपनाने की सलाह दी गई। कृषकों को दलहन में चना एवं मसूर तथा तिलहनी फसलों में सरसों एवं कुसुम की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उन्नत कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक विधियों से उनका उचित प्रबंधन करने की जानकारी दी गई।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि रबी फसलों की तैयारी के दौरान फसल अवशेषों में आग न लगाएं। नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके स्थान पर फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर मृदा की उर्वरता एवं पर्यावरण के संरक्षण में सहयोग करें।

डॉ. सुनील सिंह निकले पांडे जी, रीवा क्षेत्र के बढ़ागांव निवासी, जगह-जगह पुलिस दे रही दबिश

मुन्नाभाई एमबीबीएस की तलाश जारी, 17 साल तक शासन की आंखों में धूल झोंकता रहा

सलीम शाह, हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के बिरसा में तत्कालीन बीएमओ डॉ. सुनील सिंह पर फर्जी डिग्री और दूसरे नाम से सरकारी नौकरी करने का आरोप है।

मामले की जांच में सामने आया है कि जिस व्यक्ति को लोग डॉ. सुनील सिंह के नाम से जानते थे, उसका असली नाम शिव कुमार पांडेय है।

वह रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र के बड़ागांव का रहने वाला बताया गया है। बिरसा पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसकी तलाश कर रही है।

मामले की जांच में डॉ. सुनील सिंह के नाम से अलग-अलग दस्तावेजों में अलग-अलग गृह जिले दर्ज होने की बात सामने आई। कुछ दस्तावेजों में मुरैना, तो कुछ में बालाघाट और रीवा का उल्लेख था।

विभाग के पास उसके नाम से प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज मिले, जबकि परमानेंट रजिस्ट्रेशन का रिकॉर्ड नहीं मिला।राज्यस्तरीय जांच समिति के मुताबिक, उपलब्ध दस्तावेजों में देवास में पदस्थ डॉ. सुनील सिंह के नाम से कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने का मामला सामने आया।

आरोप है कि इसके बाद संबंधित व्यक्ति को नियमित किया गया, पदोन्नति दी गई और बिरसा में बीएमओ की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

विभागीय ऑनलाइन भुगतान के रिकॉर्ड के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2017-18 से मार्च 2026 तक आरोपी को करीब 65 से 70 लाख रुपए का भुगतान5 किया गया। वर्ष 2009 में नियुक्ति के बाद हुए ऑफलाइन भुगतान का रिकॉर्ड स्वास्थ्य विभाग खंगाल रहा है।

यह भी बताया गया है कि आरोपी ने रीवा के खुटेही गांव में डॉ. सुनील सिंह के नाम से मकान खरीदा था। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

बिरसा थाना प्रभारी विजय केन के मुताबिक, मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस रीवा समेत संभावित ठिकानों पर उसकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक वह पकड़ में नहीं आया है।





मामले में यह सवाल भी उठ रहा है कि वर्ष 2024 में डिग्री की जांच करने वाले तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी या नहीं।

नाले पर बने पुलिया की ऊंचाई कम होने से होती है बारिश के दिनों में बाढ़ की स्थिति निर्मित

मटकापार से मोहगांव खुर्द के मध्य बने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने ग्रामीणों ने की मांग

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।



मडकापार से मोहगांव खुर्द खुर्द के मध्य मुख्य मार्ग पर स्थित नाले पर बने हुए पाईप पुलिया की ऊंचाई कम होने से अक्सर बारिश के दिनों में नाले के ऊपर बने पुलिया के ऊपर जल्दी ही जल का भराव हो जाता है। और बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। जिसके कारण मार्ग बाधित हो जाता है ।और आवागमन प्रभावित होता है। मजबूरन मार्ग से चलने वाले राहगीर व आंचल की ग्रामीण जान जोखिम में डालकर पुलिया को पार करते हैं। अपने गंतव्य की ओर सफर तय करते हैं, या फेरा कर अपने गंतव्य की ओर सफर तय करते हैं।खास बात यह है यह भी है कि करिब में देवनदी है जिसका जल बहाव तेज होने पर नदी का पानी नाले में रिसाव होता है जिससे नाले में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है, एवं पुलिया के ऊपर जल का भराव बना रहता है। जिससे आवागमन प्रभावित होता है। जैसे-जैसे नदी का पानी कम होता वैसे-वैसे नाले पर बने पुलिया के ऊपर का जल भराव काम होता है ग्रामीणों के द्वारा पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की गई ताकि नाले में बाढ़ आने पर भी बाद इतना हो सरपंच नंदकिशोर चंद्रवंशी ने बताया कि नाले पर बने पुलिया की ऊंचाई कम है जिसके कारण बारिश के दिनों में जल्दी बाढ़ आ जाती है आवागमन बाधित होता है अनेक बार जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया और पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की गई ताकि आवागमन प्रभावित न हो बावजूद समस्या जस की तरह बनी है जिसका खामी आज ग्रामीण जनों को उठना होता है पुनः पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की गई है जिसे राहगीरों को सहूलियत हो सके।

डाबरी दहियानटोला शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षा व्यवस्था की खुली पोल

आकस्मिक निरीक्षण में दोनों शिक्षक अनुपस्थित,सड़क पर खेलते मिले बच्चे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। सरकारी स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जाते हैं,लेकिन जब विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक ही अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह नजर आएं, तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।ऐसा ही एक मामला आज दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत बिरसा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला दहियानटोला जनशिक्षा केंद्र डाबरी में सामने आया,जहां जनपद पंचायत बिरसा के उपाध्यक्ष हेमंत साहू द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पदस्थ दोनों शिक्षक किशनलाल बागड़े और शुभ्रता धुर्वे अनुपस्थित पाए गए।वहीं,विद्यालय में अध्ययनरत बच्चे कक्षाओं में पढ़ाई करने के बजाय सड़क पर खेलते हुए मिले।विद्यालय में शिक्षकों की अनुपस्थिति के बीच बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी रसोइया निभाती हुई नजर आई।यह स्थिति न केवल बच्चों की नियमित पढ़ाई को लेकर चिंता पैदा करती है,बल्कि विद्यालय में उनकी सुरक्षा और जिम्मेदार कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर भी सवाल खड़े करती है।

दोनों शिक्षक अनुपस्थित, आखिर बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी किसकी ?: प्राथमिक विद्यालय बच्चों के शैक्षणिक जीवन की नींव तैयार करते हैं।इसी स्तर पर बच्चों को पढ़ना, लिखना और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना सिखाया जाता है।ऐसे में विद्यालय में पदस्थ दोनों शिक्षकों किशनलाल बागड़े और शुभ्रता धुर्वे का निरीक्षण के समय अनुपस्थित मिलना गंभीर विषय है।यदि शिक्षक विद्यालय में मौजूद नहीं होंगे,तो बच्चों की पढ़ाई कैसे होगी और शासन की शैक्षणिक योजनाओं का उद्देश्य कैसे पूरा होगा?आकस्मिक निरीक्षण के दौरान बच्चों का सड़क पर खेलते मिलना इस बात की ओर भी ध्यान दिलाता है कि विद्यालय परिसर में बच्चों की देखरेख और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार व्यवस्था कितनी आवश्यक है।छोटे बच्चों को विद्यालय में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है।शिक्षकों की गैरमौजूदगी में बच्चों की जिम्मेदारी रसोइया के भरोसे रह जाना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

रसोइया संभाल रही थी बच्चों को, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: विद्यालय में रसोइया की जिम्मेदारी मुख्य रूप से मध्यान्ह भोजन से संबंधित कार्यों की होती है। बच्चों की नियमित पढ़ाई कराना, शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करना और उनकी समुचित निगरानी करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है।ऐसे में शिक्षकों की अनुपस्थिति के दौरान रसोइया द्वारा बच्चों को संभाले जाने की स्थिति सामने आना चिंताजनक है।सवाल यह है कि यदि किसी दिन विद्यालय में निरीक्षण नहीं होता,तो क्या ऐसी स्थिति विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में आती?क्या विद्यालय में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की निगरानी की जा रही है? और क्या बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की जिम्मेदारी तय की जाएगी?



बच्चों के भविष्य से जुड़ा मामला,कार्यवाही पर टिकी निगाहें: शासकीय प्राथमिक शाला दहियानटोला(डाबरी) में सामने आई इस स्थिति के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित शिक्षा विभाग मामले की जांच कर क्या कार्यवाही करता है।दोनों शिक्षकों की अनुपस्थिति का कारण क्या था,क्या उन्होंने अवकाश की स्वीकृति ली थी, विद्यालय में उनकी अनुपस्थिति की जानकारी विभाग को थी या नहीं और निरीक्षण के समय बच्चों की सुरक्षा की क्या व्यवस्था थी,इन सभी बिंदुओं की जांच आवश्यक है।उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने उचित कार्यवाही की मांग की है।

बोधगया महाविहार के प्रबंधन की मांग को लेकर नागपुर में शांति रैली

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। महाबोधि महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को सौंपने की मांग के समर्थन में 20 अक्टूबर को नागपुर में विशाल शांति रैली निकाली जाएगी। महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति के मध्य प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े ने बताया कि रैली संविधान चौक से ऐतिहासिक दीक्षाभूमि तक जाएगी। इसमें विभिन्न प्रदेशों के पदाधिकारी और बौद्ध अनुयायी शामिल होंगे। समिति के बालाघाट जिला अध्यक्ष विकास खांडेकर ने कहा कि महाबोधि महाविहार विश्वभर के बौद्धों की आस्था का केंद्र है, लेकिन इसका प्रबंधन अब तक बौद्ध अनुयायियों को नहीं सौंपा। जिला बौद्ध संघ अध्यक्ष भोजराज वासनिक ने बताया कि उन्होंने अपने पिता बाबू घनश्याम वासनिक के साथ 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में धम्म दीक्षा समारोह में भाग लिया था। उस दिन डा. बाबा साहेब अंबेडकर ने पांच लाख से अधिक लोगों को दीक्षा दी थी। 16 अक्टूबर को चंद्रपुर में तीन लाख से अधिक लोगों ने दीक्षा ली, जबकि सात दिसंबर 1956 को मुंबई में दस लाख लोगों ने बौद्ध धम्म ग्रहण किया। अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े के अनुसार, बिहार सरकार ने बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमिटी एक्ट 1949 बनाया था। इसमें चार गैर-बौद्ध, चार बौद्ध सदस्य और जिलाधिकारी को पदेन अध्यक्ष रखने का प्रावधान है। समिति का कहना है कि संविधान लागू होने के बाद भी यह एक्ट निरस्त नहीं किया गया। इसके विरोध में 2018 में सुप्रीम कोर्ट में इंटरवेंशन पिटीशन क्रमांक 91048/2018 दायर की गई। रैली में राष्ट्रीय स्तर के बौद्ध नेता और विभिन्न संगठन शामिल होंगे। आयोजकों के मुताबिक, दीक्षाभूमि में लगभग 25 लाख लोगों को प्रबंधन के मुद्दे से अवगत कराया जाएगा। प्रदेश महासचिव अरुण मेश्राम अश्वघोष सहित पदाधिकारियों ने लोगों से दोपहर 12 बजे रैली में शामिल होने की अपील की है।



अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की छापामार कार्रवाई, चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने और प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए खनिज विभाग द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान बालाघाट एवं लामता तहसील के विभिन्न ग्रामों में रेत का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया गया।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि तहसील बालाघाट के ग्राम कोसमी एवं भमोड़ी में जांच के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया।



विभागीय अमले ने दोनों वाहनों को जब्त कर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा बालाघाट की अभिरक्षा में रखा है। इसी प्रकार, तहसील लामता के ग्राम डोंगरबोड़ी में वाहन क्रमांक MP50-AA-1333 तथा ग्राम लामता में वाहन क्रमांक MP50-AA-4663 को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना लामता की अभिरक्षा में रखा गया है।

खनिज विभाग द्वारा जब्त किए गए चारों वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

नारी शक्ति ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शक्ति से सृजन कार्यक्रम के तहत नवांकुर सखी प्रकृति- संस्कृति संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन नव अंकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी कटनी के द्वारा श्रद्धा, उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति को प्रकृति संरक्षण से जोड़ना तथा जल, माटी और वृक्षों के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवी गीतों एवं भजनों के भक्तिमय वातावरण में हुआ। इसके पश्चात महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के अंतर्गत माटी पूजन, जल स्रोत पूजन एवं वृक्ष पूजन के माध्यम से प्रकृति के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और हरित भविष्य का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आर. एल. चौधरी , परामर्शदाता रामानुज पांडेय, सेक्टर प्रभारी गनपत कोल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सचिव दुर्गेश नामदेव तथा प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की छात्रा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति रजक की उपस्थिति रही। इसके साथ ही ग्राम की मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम मैं नव अंकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आर एल चौधरी ने उद्बोधन के माध्यम से यह प्रेरणादायी संदेश दिया कि नारी शक्ति केवल परिवार और समाज की आधारशिला ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण एवं सतत विकास की भी सशक्त वाहक है। जब महिलाएं जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संकल्प लेती हैं, तब समाज में सकारात्मक बदलाव की नई राह खुलती है। अंत में सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

जनहानि के खतरे को लेकर जागरूक नागरिकों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मौत बनकर दौड़ रहे रेत के बेलगाम ट्रैक्टर-डंपर

हरिभूमि न्यूज कटंगी।



कटंगी शहर के भीतर और खजरी खमरिया बाइपास में प्रतिदिन सुबह तड़के 4 बजे से 7 बजे के बीच तेज रफ्तार से दौड़ने वाले रेत परिवहन में लगे ट्रैक्टरों और डंपरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। शुक्रवार को सुबह साढ़े 11 बजे शहर के कुछ जागरूक नागरिकों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम विजय यादव से मुलाकात की और इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नागरिकों ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 4 से 7 बजे के बीच बड़ी संख्या में ट्रैक्टर और डंपर शहर के मुख्य मार्गों और बाइपास से अवैध रेत का परिवहन करते हैं। इन वाहनों की रफ्तार इतनी अधिक रहती है कि कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती है। यह ट्रैक्टर अपनी अधिकतम सीमा की रफ्तार से दौड़ते देखे गए हैं, जबकि शहर के भीतर गति सीमा निर्धारित से भी कम होनी चाहिए। जागरूक नागरिकों का नेतृत्व कर रहे राजू गुप्ता ने बताया कि इन ट्रैक्टरों का पंजीयन कृषि कार्य के लिए किया गया है, लेकिन इनका खुलेआम व्यावसायिक उपयोग रेत परिवहन में किया जा रहा है, जो मोटर व्हीकल एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि जो चालक यह ट्रैक्टर चला रहे हैं, उनमें से अधिकांश अप्रशिक्षित हैं और उनके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं है। बिना ब्रेक, बिना लाइट और बिना नंबर प्लेट के कई ट्रैक्टर सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

मॉर्निंग वॉक पर जाने वालों की सेहत पर खतरा: नागरिकों ने ज्ञापन में पर्यावरण और स्वास्थ्य का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में शहरवासी सुबह 5 से 7 बजे के बीच मॉर्निंग वॉक पर सेहत को तंदुरुस्त रखने के लिए जाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सड़कों पर टहलते हैं, लेकिन उसी समय तेज रफ्तार ट्रैक्टर धूल और धुएं का गुबार उड़ाते हुए निकलते हैं। इससे एक ओर दुर्घटना का खतरा तो है ही, वहीं दूसरी ओर उड़ती धूल से सांस की बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। यह पूरा मामला न सिर्फ जनता की सुरक्षा से जुड़ा है, बल्कि पर्यावरण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। जागरूक नागरिकों की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए एसडीएम विजय यादव ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने मौके पर ही तहसीलदार और कटंगी थाना प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि सुबह के समय विशेष अभियान चलाकर ऐसे तेज रफ्तार और अवैध रेत परिवहन में लगे ट्रैक्टरों और डंपरों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस, बिना दस्तावेज और तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्त जुर्माना और वाहन जप्ती की कार्रवाई की जाए। एसडीएम के इस आश्वासन के बाद नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही शहर में सुबह के समय होने वाली इस अराजकता पर लगाम लगेगी और लोगों को सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण में सुबह की सैर करने का मौका मिलेगा।

बालाघाट में श्याम पंजवानी सहित कई कांग्रेसियों पर दर्ज हुआ

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने के बीच बालाघाट में भी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जंतर-मंतर से लेकर देश के बड़े शहरों, महानगरों और छोटे-छोटे गांवों तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ताओं पर पुलिस के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है और उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में बालाघाट शहर में शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष रहीम खान, पूर्व प्रदेश सचिव जुगल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनूप सिंह बैस, सेवादल अध्यक्ष जीतू बर्वे, धर्म प्रकोष्ठ अध्यक्ष केवल सिंह झरिया, शहर उपाध्यक्ष राम सिंह भाटिया, कामगार प्रकोष्ट अध्यक्ष जय कृष्णा डीगरू, शहर महामंत्री अफरोज कुरैशी सहित अन्य कांग्रेसियों के खिलाफ अपराध दर्ज किए जाने की बात सामने आई है।

जुगल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है। विरोध की आवाज को कार्रवाई के जरिए दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट रुख है—"डरेंगे नहीं, रुकेंगे नहीं और जनता की आवाज उठाना बंद नहीं करेंगे।"

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के मुद्दे पर लगातार अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग से जुड़े आंदोलन जारी रखने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जब तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांगों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवालों पर उचित जवाब नहीं मिलता, तब तक पार्टी शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराती रहेगी। बालाघाट सहित पूरे देश में कांग्रेस का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।कांग्रेस का संदेश स्पष्ट है—लोकतंत्र में असहमति की आवाज को दबाने के बजाय उसका जवाब दिया जाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

भगवान श्रीराम ने तोड़ा शिवधनुष, सीता ने पहनाई जयमाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

शक्ति की भक्ति के आराधना का पर्व शारदेय नवरात्र चल रहा है। शारदेय नवरात्र पर स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र मे जगह -जगह रामलीला का मंचन हो रहा है। स्लीमनाबाद तहसील के जगदीश धाम खिरहनी में स्थानीय रामलीला मंडली के द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है।बुधवार को रामलीला मंचन में श्रीराम -जानकी विवाह मंचन हुआ।राजा जनक ने सीता के विवाह के लिए प्रण रखा कि जो भी शिव धनुष को भंग करेगा उसी के साथ सीता का विवाह होगा। बड़े बड़े राजा-महाराजा जनकपुर आये हुए थे ।सभी राजाओं ने शिव धनुष को उठाने भरपूर जोर लगाए लेकिन उठना तो दूर शिव धनुष हिल तक नही पाया।तब राजा जनक को पश्चताप हुआ।तब विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम उठे व शिव धनुष को भंग कर दिया।